

सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे माँ

छुपो लाख चाहे पर्वतो पे जाके,
बैठो गुफा में सभाभीया लगा के,
सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे,, माँ,
सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे.....

हो भवन रूप बेशक बना के,
चाहे ज्योत बनो ज्वालामुखी जा के,
सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे,, माँ,
सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे.....

वैष्णो के रूप में सजा लो चाहे दामन,
चाहे चिंतपूर्णी रख लेना डेरा लगा के,
शीतला भी तेरी ज्योत कर देती नूर है,
मनसा देवी नाम तेरा बड़ा मशहूर है,
हो चाहे खुश हो लो गौरी कहला के,
चाहे आओ नाम उमा ही तरा के,
सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे,, माँ,
सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे.....

कला रूप होके चाहे शारदे तू बन माँ,
चाहे तू सजा ले नैना देवी का भवन माँ,
कालका चमुंडा सब तेरे दरबार है,
बगलामुखी करनी माँ तेरे अवतार है,
चाहे रूप माँ कामाख्या का बना के,
चाहे खप्पर आज्ञा तू सजा के,
सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे,, माँ,
सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे.....

नगरकोटी कांगड़ा में करो चाहे वास माँ,
कहते है शाकुभरी में तेरा प्रकाश माँ,
कही लोक माया तू, कही विंदवासिनी,
नंदा देवी तारा तू माँ तू ही मुंडमालिनी,
चाहे दुर्गा हो या दुर्गम मिटा के,
चाहे लुप्त होजा पिंडी में समा के,
सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे,, माँ,
सवाली तुम्हे ढूँढ लेंगे.....

स्वर : [नरेन्द्र चंचल](#)

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |